Mohanlal Sukhadia University

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, 313001

NAAC-SSR (Assessment Year: 2017-22)

Criterion- 3

Research, Innovations and Extension

Key Indicator 3.6:

Extension Activities

Metric 3.6.1:

Additional Information

3.6.1 Additional Information

The university carries out a number of extension activities in the neighbourhood community through its various forums of National Service Scheme, National Cadet Corps, Red Ribbon Club and also in collaboration with various governmental organizations.

The NSS, NCC, Rover Crew and Red Ribbon Club units have conducted multi-dimensional activities for the social, environmental and cultural aspects. The activities aim at inculcating environmental awareness, patriotic values, ideas of social well-being among students. Activities also concentrate on the welfare of the neighbourhood community by sensitizing people with prevailing social problems and take necessary steps for their betterment. These social outreach programmes brought a great impact on the holistic development of the students as they come across different categories of the people and their living standards. The activities of the RRC have rigorously conducted consistent health camps at the times of COVID pandemic for the welfare of the people.

Significant activities performed during last five years under these forums have been listed as follows:

1. In collaboration with various Government organization:

S. No.	*Name of the Activity*	*Organising unit/ Forum/ collaborating agency*	*No. of Participants*
1.	Nukkad Natak on General Awareness	Nagar Nigam, Udaipur	49
2.	Nukkad Natak on Election Awareness	Collectorate, Udaipur	52
3.	Nukkad Natak on Women Empowerment	District Court, Udaipur	42

2. Rover Crew, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

S. No.	*Name of the Activity*	*No. of Participants*
1.	गांधी जयंती के उपलक्ष में सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन	25
2.	कोविड-19 जागरूकता अभियान	32
3.	मास्क वितरण	24
4.	पर्यावरण पर चर्चा संगोष्ठी	20
5.	पुलवामा हमला श्रद्धांजलि	24

3. National Cadet Corps (NCC), Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

S. No.	*Name of the Activity*	*No. of Participants*
1.	Har Gar Tiranga	51
2.	Indian Army Day	70
3.	Blood Donation	100
4.	INTERNATIONAL YOGA DAY	13
5.	Earth Day-2022	200

4. National Service Scheme (NSS), Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

S. No.	*Name of the Activity*	*No. of Participants*
1.	Installation of bird feeders	100
2.	Campus Cleaning	160

3.	Plastic Ban Rally in Gogunda	200
4.	Rally and Cleanliness Drive under Swacch Bharat Abhiyan	200
5.	Constitutional Values and Fundamental Principles of Indian Constitution	37
6.	Rally and Cleanliness Drive under Swacch Bharat Abhiyan	200
7.	Environment Awareness Cycle-Rally	60

5. Red Ribbon Club, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

University website link: https://www.mlsu.ac.in/rrc/

S. No.	*Name of the Activity*	*No. of Participants*
1.	Blood Donation Camp	260
2.	Breast Cancer and Health Check-up Camp	180
3.	Distribution of Medicinal Plants	187
4.	Tree Guard Implementation	57
5.	Vaccination Camp	54983

Enclosures:

1. National Services, MLSU: Objectives, Services, Organizational structure
2. Red Ribbon Club, MLSU: Objectives, Organizational structure, Roles & Responsibilities
3. Photographs of the activities

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवाओं के अन्तर्गत निम्न चार विकल्प उपलब्ध हैं –

(क) राष्ट्रीय क्रीड़ा संगठन (N.S.O.) (ख) राष्ट्रीय कैडेट कोर (N.C.C.)

(ग) राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) (घ) रोवरिंग (Rovering)

विद्यार्थी इन चारों में से कोई एक विकल्प चुनकर उसमें सम्मिलित हो सकता है। इन चारों राष्ट्रीय सेवाओं के संचालन के लिए विभिन्न प्रभारी हैं, जिनसे विशेष जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

(क) राष्ट्रीय क्रीड़ा संगठन (N.S.O.) : इसके अन्तर्गत निम्नलिखित खेल वर्ग हैं –

1. क्रिकेट 2. फुटबॉल 3. दौड़-कूद 4. हॉकी

5. वॉलीबाल 6. बास्केटबॉल 7. हैण्डबॉल

इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को इन सात वर्गों में से एक को चुनना होगा। अपनी रुचि के खेल की व्यावहारिक परीक्षा देनी होगी और उसमें उत्तीर्ण होने पर ही इस संगठन में नामांकन होगा। इसमें 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए सचिव विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल से सम्पर्क किया जा सकता है।

(ख) राष्ट्रीय कैडेट कोर (N.C.C.) : इसमें सैनिक प्रशिक्षण, महत्वपूर्ण स्थानों पर ग्रीष्मकालीन शिविर, पर्वतारोहण के अवसर प्राप्त होते हैं। इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों में अनुशासन एवं सेवा की भावना के साथ-साथ शारीरिक क्षमता बढ़ती है। इस योजना के अन्तर्गत थल सेना, नौ सेना एवं वायु सेना में से एक शाखा को चुना जा सकता है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर में भर्ती होने वाले छात्र के लिए निर्धारित मानदण्ड के अनुसार स्वास्थ्य होना चाहिए।

राष्ट्रीय कैडेट कोर की इच्छित शाखा में प्रवेश के आवेदकों में से चयन किया जाएगा। चयन तिथि एवं समय की सूचना केडेट कोर अधिकारियों द्वारा यथासमय घोषित की जाएगी। जो छात्र एन.सी.सी. की इच्छित शाखा में चयनित नहीं होते हैं उन्हें अन्य निर्दिष्ट शाखा में प्रवेश लेने का विकल्प होगा।

उपस्थिति (Attendance)

एन.सी.सी. कैडेटों के लिए 75 प्रतिशत परेडों में उपस्थित रहना अनिवार्य है। निर्दिष्ट शिविरों में भी उन्हें भाग लेना होगा। यूनिट द्वारा निर्धारित तिथि पर गणवेश एवं अन्य सामान दिया व लिया जाएगा। यदि कोई विद्यार्थी बिना गणवेश एवं सामान लौटाए सत्र के मध्य में महाविद्यालय/विश्वविद्यालय छोड़ देता है तो उसका नाम आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस को प्रेषित कर दिया जाएगा।

शाखाओं (Wings) में अन्तर-परिवर्तन की अनुमति नहीं है। एन.सी.सी. के तृतीय वर्ष का प्रशिक्षण कुछ चयनित छात्रों को ही दिया जाएगा।

प्रमाण पत्र परीक्षाएँ (Certificate Examinations)

प्रशिक्षण के द्वितीय वर्ष के अन्त में वे प्रशिक्षणार्थी 'बी' प्रमाण पत्र के पात्र होंगे जिन्होंने एक शिविर में भाग लिया हो तथा प्रत्येक सत्र में जिनकी उपस्थिति 75 प्रतिशत हो।

प्रशिक्षण के द्वितीय वर्ष के अन्त में 'सी' प्रमाण पत्र परीक्षा के लिए वे ही केडेट पात्र होंगे जिन्होंने 'बी' प्रमाण पत्र उत्तीर्ण किया हो, दो शिविरों में भाग लिया हो तथा प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में 75 प्रतिशत उपस्थिति पूर्ण की हो।

एन.सी.सी. के माध्यम से सशस्त्र सेनाओं में कमीशन

सशस्त्र सेनाओं में कमीशन के लिए आवेदन-पत्र, केडेट अपने एन.सी.सी. यूनिट के माध्यम से भेज सकते हैं। आवेदन पत्र स्वीकृत होने पर जिस सेवा के लिए उन्होंने आवेदन किया है उसकी चयन समिति के समक्ष साक्षात्कार के लिए उन्हें उपस्थित होना पड़ेगा। कमीशन के प्रत्याशियों की योग्यता का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है –

थल सेना

1. वाणिज्य/कला/विज्ञान स्नातक
2. 19 से 22 वर्ष की आयु
3. एन.सी.सी. का 'सी' परीक्षा (थल सेना) का प्रमाण पत्र धारक

जल सेना

1. भौतिक विज्ञान एवं गणित विषय का स्नातक अथवा अभियांत्रिक उपाधि धारक
2. 19 से 22 वर्ष की आयु
3. एन.सी.सी. का 'सी' परीक्षा (जल सेना) का प्रमाण पत्र धारक

वायु सेना (सामान्य सेवाएँ)

1. वाणिज्य/कला/विज्ञान स्नातक
2. 19 से 22 वर्ष की आयु
3. एन.सी.सी. का 'सी' परीक्षा (वायु शाखा) छोड़ने के एक वर्ष भीतर प्रस्तुत हो।

निस्सारण (Discharge)

छात्रों को एन.सी.सी. छोड़ने के एक वर्ष के भीतर अपने युनिट कमाण्डर से निस्सारण प्रमाण-पत्र (डिस्चार्ज सर्टिफिकेट) ले लेना चाहिए। इसके लिए उन्हें अपने एन.सी.सी. अफसर के माध्यम से आवेदन भेजना चाहिए।

(ग) राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) : इस योजना का उद्देश्य विश्वविद्यालय के युवा वर्ग की शक्ति को राष्ट्रीय सेवा प्रयोजनाओं में लगाना है। सामान्यतया इसका लक्ष्य नेतृत्व गुणों का विकास करना एवं श्रम की गरिमा का पोषण करना है। कल्याणकारी गतिविधियों के तीन क्षेत्रों, यथा ग्रामीण, नगरीय एवं संस्थागत की उन्नति के लिए यह योजना सामूहिक जीवन का प्रशिक्षण देती है।

इसके अतिरिक्त एन.एस.एस. द्वारा ग्रामीण विकास के लिए एक वर्ष में दो अनिवार्य शिविरों का आयोजन किया जाता है। कुछ विद्यार्थी प्रतिवर्ष अन्तर्राष्ट्रीय शिविरों में भी भेजे जाते हैं। इस योजना में सम्मिलित होने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष 65 प्रतिशत उपस्थिति पूरी करनी होगी।

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में एन.एस.एस. की इकाइयाँ इस प्रकार हैं:-

विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय	2 इकाइयाँ
विश्वविद्यालय सा. वि. एवं मा. महाविद्यालय	2 इकाइयाँ
विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंध महाविद्यालय	2 इकाइयाँ
विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय	1 इकाई
प्रबन्ध अध्ययन संकाय	1 इकाई

प्रबन्ध अध्ययन संकाय को छोडकर प्रत्येक इकाई 100 विद्यार्थियों पर गठित की जाती है।

(घ) रोवरिंग (Rovering) : विश्वविद्यालय स्तर पर स्काउटिंग की गतिविधियों का संचालन रोवर्स के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक छात्र, जिसने विद्यालय स्तर पर स्काउटिंग का अपेक्षित अनुभव ग्रहण किया है, विश्वविद्यालय स्तर पर रोवर के रूप में पंजीकृत हो सकता है तथा राष्ट्रीय स्तर पर रोवर कार्यक्रमों में योग्यतानुसार भाग ले सकता है। निम्न कार्यक्रम विशेष रूप से आयोजित किए जाते हैं -

1. साक्षरता अभियान, सामाजिक शिक्षा एवं प्रौढ़ शिक्षा
2. औषधालय सेवा
3. गन्दी बस्तियों की सफाई
4. ग्रामीण विकास
5. जरूरतमंदों की सहायता
6. राष्ट्रीय बचत कार्यक्रम
7. परिसर विकास
8. प्रकल्प निदेशकों द्वारा निर्धारित अन्य कार्य।

CONTENT

SECTION NO.	TOPIC	PAGE NO.
1.	Red Ribbon Club	
	A. Introduction……	6
	B. The need and Context……	7
	C. Rational behind targeting Youths……	7
	D. Role of Red Ribbon Club……..	8
2.	RRC Programme	
	A. Aim…….	10
	B. Objectives…….	10
	C. Coverage of the scheme…….	10
	D. Inter-sectoral collaboration…….	11
	E. Key areas of RRC…….	11
	F. Outcomes……..	11
3.	Forming of Red Ribbon Club	
	A. Management Phase…….	12
	B. Operational Phase……	12
	C. Formation of Advisory Committee of RRC at Institute level…..	13
	D. Roles of Committee…….	14
4.	Structure and Roles	
A. Organogram of RRC at State Level……..		15
B. Roles & Responsibilities…….		16
	i. Youth Coordinator…….	16
	ii. Regional Coordinator…….	17
	iii. University/ Institution/ College Authorities……..	18
	iv. Programme Officer…….	19
	v. RRC Members……..	19
5.	Records, Registers&File to be maintained……..	20

6. Fund Utilization & Financial Management……. 22
7. A.Activities proposed with Performance Indicators……. 23
B.Motivational Methods…….. 25
8. Indicators for Annual Evaluation of RRC Programme…… 26
9. Trainings……. 31

10. Annexures

Annexure No.

1(a) Red Ribbon Membership Form……. 33
1(b) Red Ribbon Club Form& Advisory Committee Form … 34
2(a) Reporting Format of RRC (BY RRC to SACS)……. 36
2(b) Reporting Format of RRCP (By SACS to NACO)…… 39
3 (a) Unit Budget of RRC…… 42
3 (b) Proposed detail Budget…… 44
4. List of districts category-wise…….. 46
5. List of Universities…… 56
6. Training Schedule for Peer Educators……. 58
7. Note on Peer Education……. 60

RED RIBBON

The significance of Red Ribbon in HIV & AIDS is:

Red like Love, as a symbol of passion and tolerance for those affected.

Red like blood, representing the pain caused by many people who havedied of AIDS.

Red like the anger about the helplessness about which we are facing for a disease for which there is still no cure.

Red as a sign of warning not to carelessly ignore one of the biggest problems of our time.

SECTION 1: INTRODUCTION

RED RIBBION CLUB

A. Introduction

Mainstreaming of HIV & AIDS and ensuringsafe blood are major activities to control the spread of HIV &AIDS in the country. Of the over 1 billion youth (ages 15-24) worldwide, some 10 million youth are living with HIV: .Every day, an estimated 6,000 youth are infected with the virus. Out of 2.47 million estimated population infected by HIV in India, 88.7% are in the age group of 15-49 years. In view of this, Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India has proposed to establish a network with Universities and educational institutions to generate awareness regarding HIV &AIDS and to promote Voluntary Blood Donation to ensure safe blood and implement preventive programmes on HIV &AIDS.

Under the NACP III youth have been identified as a vulnerable group requiring special attention. Recognizing the heterogeneity of the youth NACP III aims to promote Red Ribbon Clubs to cover youth at risk to HIV both in campuses as well as in community.

Through RRC youth are encouraged to learn about safe and healthy lifestyles. The RRC promotes access to information on safe sexual behaviors and voluntary blood donation as well as enable them to become change agentsin HIV & AIDS programme.

To create and provide opportunity to the zeal of volunteerism among youth to contribute towards the control and prevention of HIV&AIDS Red Ribbon Club in the educational institutions will be formed. The concept and design of the programme is based on the lessons and experiences of the Red Ribbon Clubs formed in the educational institutions in the States of Tamil Nadu, Andhra Pradesh.

The Red Ribbon Club is a voluntary on-campus intervention program for students in educational institutions. It is initiated and supported by the State AIDS Control Society and implemented through multi-sectoral collaboration, particularly, using the services of cadre officers of the State's National Service Scheme (NSS).

The programme will address the knowledge, attitude and behavior of the youths in the interrelated areas of Voluntary Blood Donation, HIV &AIDS and sexuality, as demanded by their age, environment, and life style. The, Red Ribbon Clubwill serve as a complementary and comprehensive prevention intervention to support and reinforce similar youth led initiatives.

Thus Red Ribbon Club Programme (RRCP) is a comprehensive promotional and preventive intervention to enhance voluntary blood donation as well as mainstream HIV &AIDS prevention, care & supportand treatment impact, mitigation, stigma reduction, among the youth in educational institutions. It willalso prepare and promote youth peer educators within and outside the campuses.

B. The Need and Context

According to UNAIDS strategy paper on “Approach to Adolescents”, youth are among the most vulnerable to HIV infection, and they also account for a large proportion of infected persons.Youth are among the most vulnerable groups to HIV infection. In India people in the age group of 15-29 years account for 31% of AIDS burden.

The adolescent age with its specific psychological and social attributes is more susceptible to sexual curiosity and behavior that make them particularly vulnerable to HIV infection. In 2003, youth (15-24 years old) accounted for half of all new HIV infections worldwide. (*Source: UNAIDS / WHO AIDS epidemic update, December 2005*). This sends an alarming signal on the extraordinary crisis, which our tertiary education has to grapple with.Youth are especially vulnerable to risk of HIV infection because of limited access to correct information and lack of appropriate life skills.

Equally alarming is the fact that paid donors, which are associated with a significantly higher prevalence of transfusion-transmissible infections (TTIs) including HIV, Hepatitis B, Hepatitis C, Syphilis and Malaria, still provide more than 45% of the blood collected in India. The safest blood donors are voluntary, non-remunerated blood donors from low-risk populations.

In view of this, **NACO/SACS** have taken the initiative in promoting voluntary non-remunerated blood donation by establishing RRC and reaching youth to pledge to give regular blood donations till the age of 60 and to lead healthy lifestyles to protect both themselves and the recipients of their blood from HIV and other infectious agents and in addressing the knowledge, attitude and behavior of youth in the area of HIV & AIDS and sexuality by establishing RRCs.

C. Role of the Red Ribbon Club

The RRC in the educational institutions/other institutions will seek toinitiate effortsto:

- Educate youth with **correct, concise and adequate information** and heighten their level of awareness about HIV/AIDS/STI/sexuality and other related issues (thus eliminate myths and misconceptions).
- Enable youth, especially the female students, to identify and understand situations of exploitation and abuse.
- Sensitize the youth regarding care and support needs of PLWHA and instill in them the spirit of helping and supporting the people living with HIV &AIDS (PLWHA)and reduce the stigma and discrimination against them.
- Increase youths’ access to health care services related to STI / HIV/AIDS/drug use.
- Create linkages between youth and governmental, non-governmental agencies and community based organizations to access safer and responsible healthy behaviour.
- Organize and facilitate voluntary blood donation camps and mobilize the youth for voluntary blood donation.
- Create among the youth a cadre of peer educators for seeking and encouraging positive health behavior as well as ensuring sustainability of the club.

SECTION 2: RED RIBBON CLUB PROGRAMME

A. Aim

The RRC aims at harnessing the potential of the youth by equipping them with correct information on HIV/AIDSPrevention, Care and Support and Treatment. It also aims in building their capacities as peer educators in spreading messages on positive health behaviour in an enabling environment and increasing voluntary blood donation from among youth.

B.Objectives

1. To reduce new HIV infection among youth by raising their risk perception through awareness on Sex, Sexuality and HIV &AIDS.

2. To induce among youth the spirit to help and supportpeople living with HIV/AIDS (PLWHA) thereby reducing stigma and discrimination against PLHWAs.

3. To motivate youth and build their capacity as peer educators and change agents by developing their skills on leadership, negotiation, and team building.

4. To promote voluntary non-remunerated blood donation among youth.

C.Key Areas of RRC

- **Vibrancy of Youth:** Tap the vibrancy of Youth and channelizing the energy of the youth in a positive direction.
- **Sex & Sexuality, HIV/AIDS & STI:** Provide access to correct information on sexuality, HIV/AIDS, STI and other youth related issues in an enabling environment to promote healthy life styles.
- **Peer Education:** Develop a cadre of Peer Educators among youth.
- **Voluntary Blood Donation:** Promote voluntary non-remunerated blood donation.

SECTION 3: FORMATION OF RRC

FORMING A RED RIBBION CLUBIN AN EDUCATION INSTITUTION

A. MANAGEMENT STRUCTURE AT STATE & DISTRICT LEVEL

One operational area may comprise of 5-6 districts approximately and will be supervised by a Regional Coordinator. (**Districts to be identified and clubbed by SACS in one operational area depending upon the State's requirement.). One such operational area will be supervised and supported by a Regional Coordinator.* The Regional Coordinator will work in close co-ordination with Programme Officer of Colleges/ Institutions to facilitate the formation and functioning of RRC.

B.OPERATIONAL FRAMEWORKAT INSTITUTIONAL LEVEL

1. The State AIDS Control Society will formally inform the DMs of the districts and heads of the institutions about the national nature and concept of RRC and the process of its implementation and that the RC will be contacting them for their support. Through such letter the SACS will generate support of the DMs and heads of the educational institutions for facilitating the formation of RRC..
2. Regional Coordinator along with ProgrammeOfficer will contact the administrative head of the institution to seek permission for the formation of RRC in the institution. Once the head of the institution approves the RRC

formation,permissionto meet student leaders will be sought in order to explain the concept and importance of RRC.

3. An orientation workshop at the institution will be organized whereby the head of the institution and relevant officials/teachers and student groups/leaders will be oriented on the RRC scheme. The date for the same can be decided in consultation with the head of the institutions, considering that it does not interfere with the educational schedule of the Institution. The workshop will conclude with the inauguration of RRC. The local VIPs may be invited and the inauguration will be presided over by the Head of the Institution.
4. The Field officer along with Programme Officer of the institution (an NSS Officer) and student leaders will contact and mobilize as many students as possible from all departments (not only students enrolled with NSS but also from the entire strength).Volunteers may also be selected at this stage.
5. Pamphlets, brochures and related IEC material will be distributed before and during inauguration of RRC. All IEC material will be supplied by the respective SACS in the State and Programme Officer will be responsible for its timely procurement. (*in coordination with SACS*)
6. Screening of HIV&AIDS, blood donation related films etc. should be undertakenduring the orientation and inauguration on RRC. Such films could be provided by the respective SACS.
7. When the youth participating in the programme appear absorbed and motivated distribute the membership forms for voluntary enrolment in RRC. The format for the same is provided in ***Annexure 1 (a).***
8. The signed forms should be collected and the names of the youth should be entered in the Membership Register. Regional Coordinator with support of Programme Officer will be responsible for regularupdating of the Register /forms.
9. The strength of the club can vary from 10 to 500 voluntary members.
10. A onetime grant of Rs. 2500/- will be provided to each institution to form RRC.(*See* ***Annexure 3*** *for details*)
11. The activities of the RRC must be youth oriented, innovative and interactive that should generate active participation of youth and at the same time should provide them with healthy edutainment.

C.**Formation of Advisory Committee of RRC At College Level**

To ensure effective constitution and functioning of Red Ribbon Clubs it is proposed to constitute a Committee at College/Institutional level. The Committee shall include:

1. Chief Patron: Chancellor, His Excellency, Governor.
2. Patron : Vice - Chancellor, Director Higher & Technical Education
3. Chairperson: Principal/ Head of the Institute.
4. Convener: NSS Programme Officer.
5. Joint Convener: Student representatives from RRC (2)*
6. Members : Regional Coordinator, Finance officer of the RRC and two student volunteers

*The student representatives (for RRC Committee) should be elected and not nominated by the RRC students. In colleges having co-ed population one male and one female must be part of the committee.*Preferably these should be Peer Educators*.

- The Committee shall have a total of 10 (ten) members representing active members of teaching faculty and students. The Committee can also accommodate any expert(s) as per the requirement, and as deem fit for the furtherance of activities of the respective Red Ribbon Club.
- RRC tenure will follow the educational session of the institution/University.
- Ensure that the RRC's activities at Institutional or higher level do not clash with or affect the educational programme and/or schedule of the Institution.

Once the Advisory committee is constituted Annexure 1(c) will need to be filled and submitted by the Regional Coordinator/Youth Co-ordinator at SACS. The minutes of the meeting will be duly signed and approved by the committee.

D.Roleof the Advisory Committee

The Advisory committee at the educational institution will:

- Meet once in every quarter to review the activities of the RRC and to plan future activity as per annual activity plan (Programmatic as well as financial).
- Take decisions on management issues related to the club.
- Explore /identify channels for resource mobilization for the smooth functioning of the club.

- Review and approve new activities proposed by the RRC members
- Review the performance and plan for the next year (Programmatic as well as financial) of RRC in the meeting held in the last quarter of the year.

iii. Role of the University/ Institution/ College Authorities

While the Institution may be persuaded to support RRC activities financially and introduce RRC and its events into the permanent entities and event calendar of the institution, the major roles of the University/College/Institution will include:

- Active participation in the advisory committee at the respective level.
- Facilitating infrastructure and other necessary supportfor the implementationof programme/events of RRC.
- Designate the Faculty teacher cum NSS Coordinator as Programme Officer for RRC.
- Mainstreaming of HIV &AIDS programme by including it in the University curriculum & programme.
- Advocacy at the highest level to support the programme on self sustainable basis.
- Encouraging the contribution of RRC members by highlighting it in college newsletter or other publications.

iv. Programme Officers (PO)

S/he is the teacher at the Institution designated as NSS Programme Coordinator, who should also be given their responsibility of the RRC in the capacity of Programme Officer. In the institutes where NSS is not available the head of such institution and advisory committee will be requested to designate one of the teachers as Programme Officer for RRC.

The PO will work closely with the RC to reach out to RRC members and other youth in the institution through RRC volunteers.

v. RRC Members

Youth from colleges/ institutions between the age group of 15-29 years and registered in RRC.

Role of RRC Members

- Gain in-depth knowledge about HIV/AIDS, Voluntary Blood Donation and related issues.
- Mobilizing resources for the Club's activities.
- Producing innovative BCC (BehaviorChange Communication) materials - slogans, jingles, posters, logos, handbill messages, songs and plays, etc.
- Activelyparticipating in competitions and community outreach programs inside and outside the campus.
- Orienting the new comers about the objectives and activities of the Club and contribute to the sustainability of the Club.
- With developed life skills and leadership qualities, performing the role of peer educators to heighten the HIV/AIDS risk perception and instill negotiation skills among the youth
- Promoting VBD among the students and participate actively in blood donations.
- Sensitizing the youth regarding the rights of PLHWAs.

SECTION 10: ANNEXURES

Annexure 1(a)

Red Ribbon Membership Form

Membership Registration No._____ Date:_____

S.No.	Particulars	
1	Name of Institute	
2	Name of Member	
3	Department/ Year or Semester	
4	Father's Name	
5	Mother's Name	
6	Age	
7	Sex	
8	Marital Status	
9	Contact Address	
10	Contact No.	
11	E-mail ID	
12	Reason for joining RRC	

Signature of the Member

Date:
Place:

Annexure 1(b)

1. Red Ribbon Club Form

Name of the institution	
Type of the Institutions with RRC	**Government / Aided / Public/ Private**
Complete address	
Telephone number with STD code	
Fax Number	
E-mail id	
Date of formation of RRC	
Total students in the institution	
Total No. of Students registered in RRC	
Registered Female students	
Registered Male students	

Signature of the Principle

Signature of RC

With SEAL

Date of Submission:

Nukkad Natak on Women Empowerment 13-10-2017

Nukkad Natak on General Awareness02-12-2018

Nukkad Natak on Election Awareness" 02-12-2018

टेल्स में सुनिए कहानियां, अल्फाज में नाट्य से होइए रोमांचित

अल्फाज़ महोत्सव : आज से चार दिन महिलाओं के मुद्दों पर नाट्य मंचन होगा

उदयपुर | नाट्यांश सोसाइटी ऑफ ड्रामेटिक एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स और भारतीय लोककला मंडल के छठे राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव अल्फाज़ की शुरुआत शुक्रवार से होगी। नारी और उनके मुद्दों पर केन्द्रित इस कार्यक्रम में नाट्य का मंचन शाम 7 बजे से भारतीय लोककला मंडल के रंगमंच पर होगा। इससे पहले कहानी मंचन, कविता पथ, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला और लघु नाट्य प्रतियोगिता रखी गई थी। 'ऑनलाइन फोटोग्राफी कॉम्पटीशन' में 20 देशों के 150 फोटोग्राफरों ने भाग लिया जिसमें ध्रुवज्योती भट्टाचार्य प्रथम रहीं। अनिल कुमार बोस प्रथम उपविजेता, जहान्वी भारद्वाज को द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया। चार दिवसीय नाट्य उत्सव के पहले दिन पश्चिम बंगाल से गोबरदांगा नक्षा के कलाकार नाटक 'बिनोदिनी – अ वुमन अ ह्यूमन' नाटक का मंचन करेंगे। रेखा सिसोदिया ने बताया कि नाट्य महोत्सव की सभी प्रस्तुति शहरवासी और बाहर से आने वाले पर्यटक निशुल्क देख सकेंगे। एक दिन पहले कलाकारों ने रिहर्सल की।

न्यूज ब्रीफ

इग्नू की टर्म एंड परीक्षाएं कल से, प्रदेश में 29 केंद्र, 7 परीक्षा केंद्र जेलों में भी

उदयपुर | इग्नू की टर्म एंड परीक्षाएं 1 दिसंबर से होंगी। देशभर में 861 और 17 परीक्षा केंद्र विदेशों में भी होंगे। देशभर से 5,94,596 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा कार्यक्रम के तहत पूर्व में 7 दिसंबर को होने वाली परीक्षाएं 31 दिसम्बर को होंगी। 7 दिसम्बर को राजस्थान और तेलंगाना में विधानसभा चुनावों के कारण अवकाश होने के चलते परीक्षा की तिथि बढ़ाई गई है। बता दें कि फिलहाल इग्नू 21 स्कूलों के माध्यम से 156 से

रतनगढ़ के पास बीक

मोर बचाने से भिड़ी, डॉ

डॉ. संजय स्वामी गोमती देवी

भास्कर न्यूज | रतनगढ़/चूरू

रतनगढ़ के पास बीकानेर हाईवे पर गुरुवार दोपहर मोर को बचाने के चक्कर में कार असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई। इससे कार में सवार सर्जन डॉक्टर और उनकी मां की मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर घायल हो गए। रतनगढ़ अस्पताल में कार्यरत सर्जन संजय स्वामी (48) अपने पिता सेवानिवृत डॉ. गणेशमल (70) की आंखों की जांच कराने के लिए बीकानेर गए थे। लौटते समय एनएच 11 पर अचानक आए मोर को बचाते वक्त कार मिट्टी के टीले पर चढ़कर पेड़ से टकरा गई, जिससे मां गोमतीदेवी (65) की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं अस्पताल ले जाते समय डॉ. स्वामी ने भी दम तोड़ दिया। पिता भर्ती है। पुलिस के अनुसार डॉक्टर व उनकी मां का पोस्टमार्टम शुक्रवार को होगा।

जोधपुर के महात्मा गांधी

जीएनएम सेंटर में फ

करने वाले 8 स्टूडेंट्स

पर्यावरण पर चर्चा संगोष्ठी 02-03-2018

पुलवामा हमला श्रद्धांजलि 14-02-2019

मास्क वितरण 10-04-2020

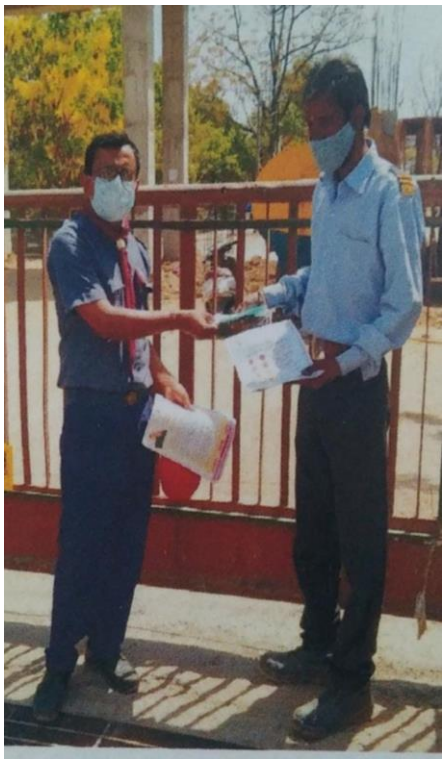

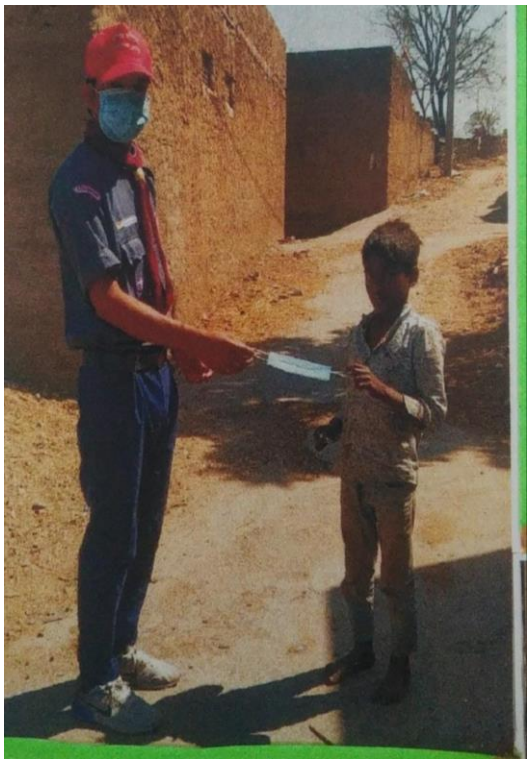

कोविड-19 जागरूकता अभियान 15-04-2020 to 20-04-2020

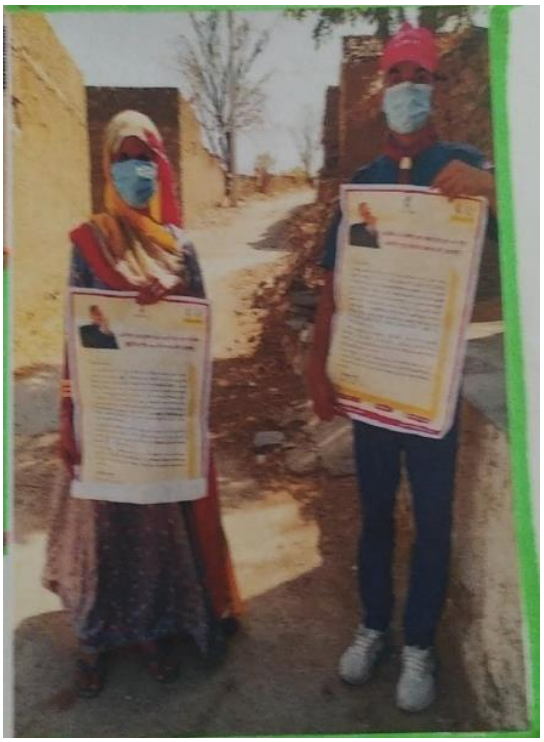

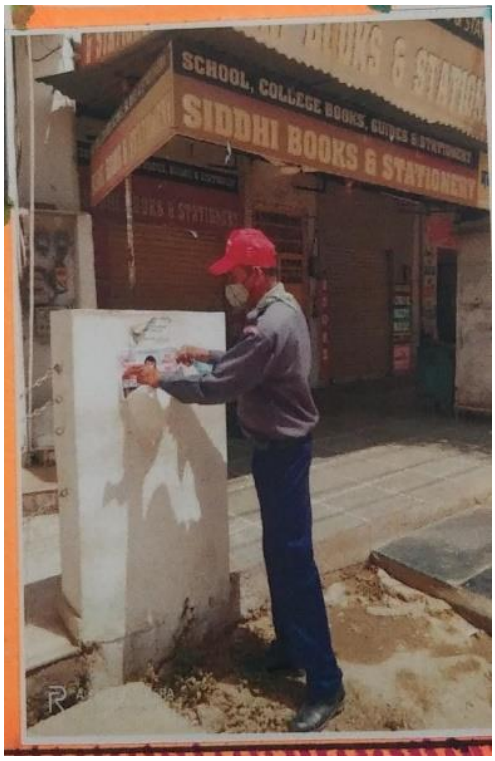

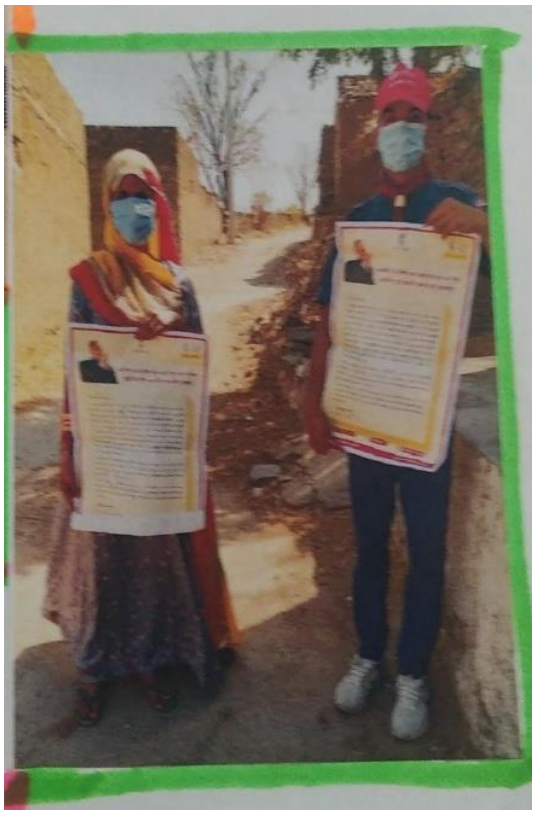

गांधी जयंती के उपलक्ष में सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

21-10-2021

M. B. COLLEGE, 10 RAJ BN NCC, MLSU, UDAIPUR
Dr. Maya Chaudhary, Care Taker Officer
maya@mlsu.ac.in

EARTH DAY (Puneet Sagar Abhiyany), was conducted by 10 Raj BN, Udaipur unit of Mohanlal Sukhadia University, Udaipur on 22, April, 2022. The objective of the programme was to aware cadets for our mother earth.

Guests of the event ware Col. (Prof.) S.S. Sarangdewat; Shree P. K. Verdia; Col. Bhaskar Chakrwarti and Commanding officer, 10 Raj BN, NCC, Udaipur.

Total 200 cadets from NCC Udaipur group participated in the programme held at BNPG college, Udaipur.

Dr. MAYA CHOUDHARY
Care Taker ANO
M.B. College, UDAIPUR

M. B. COLLEGE, 10 RAJ BN NCC, MLSU, UDAIPUR
Dr. Maya Chaudhary, Care Taker Officer
maya@mlsu.ac.in

HAR GAR TIRANGA, was conducted by M. B. College, Army Wing, NCC, 10 Raj BN, Udaipur unit of Mohanlal Sukhadia University, Udaipur from 14th to 16th August, 2022. The objective of the programme was to aware about the values of Tiranga into people. Distributed 100 flags and badges among people.

Total 51 army cadets and myself participated in the programme held at Fateh sagar lake, Colonies near MB College.

Dr. MAYA CHOUDHARY
Care Taker ANO
M.B. College, UDAIPUR

Blood Donation 24-11-2022

Indian Army Day 15-01-2022

इंडियन आर्मी दिवस मनाया

कारगिल युद्ध के अनुभव किए साझा

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

पत्रिका plus रिपोर्टर

उदयपुर. सुविवि के संगटक विज्ञान महाविद्यालय के विवेकानंद हॉल में एमबी कॉलेज आर्मी विंग एन.सी.सी. द्वारा 75वां इंडियन आर्मी दिवस मनाया गया। अध्यक्षता कुलपति प्रो.आई.वी. त्रिवेदी, कर्नल इंद्रजीत घोषाल, कमांडिंग ऑफिसर 10 राज बटालियन, एनसीसी एवं डीन प्रो.सी. पी. जैन ने की। कैप्टन राम चंद्र, सी.जी.आई., 6 राज. एयर एनसीसी, मुकेश बारबर,डिप्टी रजिस्ट्रार, प्रो. सुधीर कुमार, प्रो. के.बी.जोशी, लेफ्टिनेंट गोवर्धन सिंह, सभी कॉलेज ए.एन.ओ., छात्र नेता एवं आर्मी, नेवी, एयर के समस्त कैडेट्स मौजूद रहे। इस अवसर पर इंडियन आर्मी विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई, इसमें 41 कैडेट्स ने हिस्सा लिया, जिसमें बेस्ट पोस्टर अवार्ड हर्षिता पुष्करणा रही। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया। साथ ही वर्ष 2022 में थल सेना कैंप एवं नेशनल स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने वाले आर्मी कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया 7 कैडेट्स द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गई। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। कर्नल इंद्रजीत घोषाल ने फौजी के जीवनं एवं कारगिल युद्ध में अपनी भागीदारी का अनुभव कैडेट्स के साथ साझा किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. माया चौधरी, केयर टेकर ऑफिसर एनसीसी आर्मी ने आभार जताया।

Prof. P. K. Singh
Dean & Faculty Chairman
University College of Commerce & Management Studies
Mohanlal Sukhadia University
Udaipur-313 001 (Rajasthan) INDIA
Telefax : 0294-2411408 (O)
Cell : 91-9414737346

INTERNATIONAL YOGA DAY (Name of the event) was conducted by the CENTRAL GOVERNMENT (NCC/NSS/YRC/any other-please mention) unit of/with the university college of VCCMS Mohanlal Sukhadia University, Udaipur on/from JUNE 21, 2022 (date/s).

The objective of the programme was to

NCC NAVY CADETS, AND ALL PI EMPLOYES AND ANO (ASSOCIATE NCC OFFICER) PARTICIPATED AT BN COLLEGE KUMBHA HALL. AND SPREAD SOCIAL MESSAGE TO BEING AWARE.

A total number of 13 Cadets/Students participated in the programme.

Seal and Signature of the DEAN [UCCMS]

DEAN
University College of Commerce & Management Studies
Mohan Lal Sukhadia University
UDAIPUR

45, Shanti Nagar, Roop Sagar Road, University Road, UDAIPUR-313 001
E-mail: prabhat_udp@yahoo.co.in; prabhatudr@gmail.com

Campus Cleaning 25-03-2022

Before
UCOS CAMPUS
After

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur
University College of Science
National Service Scheme (NSS)
Seven Days Camp

Installation of bird feeders 28-03-2022

Constitutional Values and Fundamental Principles of Indian Constitution

26-11-2020

Rally and Cleanliness Drive under Swacch Bharat Abhiyaan 02-10-2019

Environment Awareness Cycle-Rally

08-01-2022

मदार, आयड़ को सुंदर व स्वस्थ बनाने पर चिंतन

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। आयड़ बेड़च नदी बेसिन के पेड़, पहाड़, पानी व संपूर्ण पर्यावरण को सुरक्षित व संरक्षित करने के जन वैज्ञानिक अभियान में शहर जुड़ रहा है। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि से जुड़ी सुनाक्षी गुप्ता राजगढ़िया व विद्या भवन डेनमार्क डानिडा प्रोजेक्ट शोधार्थी डॉ योगिता दशोरा ने बताया कि पर्यावरण चेतना साइकिल यात्रा के तहत शनिवार को उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, मुस्कान क्लब, विधि महाविद्यालय, प्रताप गौरव केंद्र, बीएन विश्वविद्यालय, विद्या भवन, स्टेनवर्ड स्कूल, विद्या निकेतन, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, ग्रीन ट्राइब सोसायटी, आकाशदीप संस्थान द्वारा विविध कार्यक्रमों को आयोजित किया गया। पर्यावरण को बचाना है, कोरोना को भगाना है, इस नारे के साथ साइकिल यात्राएं हुई। पानी की जांच हुई। मदार नहर, आयड़ नदी को सुंदर व स्वस्थ बनाने पर चिंतन हुआ। पूर्व वरिष्ठ वन अधिकारी ओपी शर्मा, प्रताप सिंह चूंडावत, वीपीएस राणा, विधि महाविद्यालय की डीन डॉ राजश्री चौधरी, मुस्कान क्लब की संयोजक डॉ श्रद्धा गट्टानी, बीएन विश्वविद्यालय की डीन डॉ अर्पणा शर्मा, शिक्षाविद डॉ सीमा नरुका, डॉ अरविंद आशिया, डॉ भगवती अहीर, रेणु जाधव, वंदना गलुण्डिया, सत्यप्रकाश मूंदड़ा, पर्यावरणविद डॉ पीसी जैन, डॉ साक्षी जैन, डॉ आशा अरोड़ा, रानू सिंघवी, नाहर सिंह, रंगकर्मी विलास जानवे, किरण जानवे के नेतृत्व में सभी ने उदयपुर के पर्यावरण को सुधारने मे पूरी कर्मठता से जुड़ने का संकल्प लिया।

Blood Donation Camp

26-09-2021

Distribution of Medicinal Plants

01-08-2021

दैनिक नवज्योति
Udaipur City - 25 Feb 2023 - Page 6

जनहित के कार्य के लिए अधिकारियों का सम्मान

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के रेड रिबन क्लब एवं राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि लॉ कमीशन ऑफ इंडिया के सदस्य प्रोफेसर आनंद पालीवाल थे। अतिथियों का स्वागत रेड रिबन क्लब के समन्वयक डॉ.पीएस राजपूत ने किया। प्रोफेसर एसके. कटारिया ने रक्तदान का महत्व बताया। डॉ प्रदीप चौधरी ने राज्य में एड्स कंट्रोल करने की दिशा में संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी। कला महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सीआर. सथार ने एड्स कंट्रोल में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ राजपूत ने बताया कि आयोजन के दौरान राज्य स्तर पर विभिन्न सामाजिक सरोकार राष्ट्रहित और चिकित्सा संबंधी जन कल्याणकारी योजनाओं प्रसार में भूमिका निभाने वाले नेहरू युवा केंद्र संगठन केपवन घोसलिया, सिरोही के मोहित कुमार, अलवर के पंकज यादव, डूंगरपुर के प्रदीप कुमार, उदयपुर के गोपाल वैष्णव, चित्तौड़गढ़ की रितु शर्मा, गोविंदगढ़ के डॉ. नटवर शर्मा, धौलपुर के डॉ. राजेंद्र प्रसाद, एमएलएसयू की कावेरी जोशी, विकास शर्मा आदि को सम्मानित किया गया।

Tree Guard Implementation

25-08-2021

रेड रिबन क्लब की ओर से लगाए ट्री गार्ड

उदयपुर (वि.)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के रेड रिबन क्लब की ओर से वृक्षों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगवाए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि धर्म ग्रंथों में मान्यता है कि वृक्ष लगाना जितना पुण्य का कार्य है उतना ही इन वृक्षों की सुरक्षा करना भी पुण्य कार्य है। सी मान्यता के अनुसार हम सभी को अपने जीवन में वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए, साथ ही लगे हुए वृक्षों की सुरक्षा की

जिम्मेदारी का निर्वहन भी करना चाहिए। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ट्री गार्ड लगाए जा रहे हैं इससे यह पौधे बड़े होकर वृक्ष का रूप लेंगे। वृक्ष समय के अनुसार बड़े होकर पर्यावरण को शुद्ध करने और पशु पक्षियों के लिए निवास का स्थान बनेंगे। कार्यक्रम में कला महाविद्यालय के डीन प्रोफेसर सी आर सुथार, पूर्व अधिष्ठाता प्रो. शरद श्रीवास्तव, संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा,सामाजिक एवं मानविकी संकाय अध्यक्ष प्रो. एस के कटारिया, डॉ मीनाक्षी जैन , डॉ. जी.एल पाटीदार, रेड रिबन क्लब प्रभारी डॉ. पी एस राजपूत एवं अन्य शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे। ट्री गार्ड के लिए रेड रिबन क्लब को णमोकार सेवा समिति, पुकार फाउंडेशन एवं राम तुलसी ट्रस्ट आदि की तरफ से वित्तीय सहयोग दिया गया।

Vaccination Camp

16-04-2021 to 30-07-2021